Online at: https://researchtrendsjournal.com ISSN No: 2584-282X

INTERNATIONAL JOURNAL OF TRENDS IN EMERGING RESEARCH AND DEVELOPMENT

Volume 1; Issue 2; 2024; Page No. 28-31

Received: 01-11-2023
Accepted: 13-12-2023

जनपद मेरठ के सरकारी एवं गैर सरकारी शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव के प्रभाव का अध्ययन

[1]परवेज अली [2]डॉ. योगेश कुमार

[1]शोधार्थी, शारीरिक शिक्षा विभाग, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय, धैड़ गांव, ब्लॉक पोखरा, जिला पौडी गढ़वाल, उत्तराखंड, भारत
[2]असिस्टेंट प्रोफेसर, शारीरिक शिक्षा विभाग, महाराजा अग्रसेन हिमालयन गढ़वाल विश्वविद्यालय, धैड़ गांव, ब्लॉक पोखरा, जिला पौडी गढ़वाल, उत्तराखंड, भारत

Corresponding Author: परवेज अली

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र मेरठ जिले के शिक्षकों की मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव के प्रभाव पर आधारित है। विभिन्न मनोवैज्ञानिक कारक एक दूसरे को किसी न किसी प्रकार से प्रभावित करते है। यह अत्यावश्यक है कि विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास हेतु मनोवैज्ञानिक कारकों से शिक्षक परिचित हों। मानसिक स्वास्थ्य के रूप में शिक्षक अपनी क्षमताओं को महसूस करता है। शिक्षक क्षमताओं के द्वारा मानसिक व बौद्धिक तनाव को दूर कर सकता है। मानसिक स्वास्थ्य व्यवहार से सम्बन्धित होता है जिसके द्वारा जीवन के सामान्य तनाव से निपटा जा सकता है। विभिन्न विचारों व बाधाओं के मध्य संतुलित व्यवहार बनाया जा सकता है। शोध से प्राप्त निष्कर्षों के अनुसार मानसिक स्थिति और शैक्षिक उपलब्धि में धनात्मक सह सम्बन्ध और उच्च एवं निम्न मानसिक स्थिति वाले विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया है।

मूलशब्दः सरकारी, गैर सरकारी, शिक्षकों, स्वास्थ्य, अध्ययन

प्रस्तावना

शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य की चिंता ने वर्तमान समय में विद्यालयों में कार्यदबाव के प्रभाव को बढ़ा दिया है। इस अध्ययन में, हम जनपद मेरठ के सरकारी और गैर सरकारी शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव के प्रभाव को विश्लेषण करेंगे। यह अध्ययन शिक्षकों के स्वास्थ्य और उनकी कार्य प्रदर्शन के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करेगा और शिक्षा नीतियों और प्रबंधन में सुधार की दिशा में मार्गदर्शन करेगा। इस अध्ययन के माध्यम से, हम शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं का सही समय पर पता लगाने और इसे सुलझाने के लिए सुझाव प्रदान करेंगे।

जनपद मेरठ में सरकारी और गैर.सरकारी शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव के प्रभाव का अध्ययन करने का उद्देश्य उनकी स्वास्थ्य स्तिथि और काम की दबावदारता के बीच संबंध को समझना है। यह अध्ययन शिक्षकों के विभिन्न पहलुओं को परिकल्पित करेगा, जैसे कि उनका सामाजिक संबंध, कार्य संघटन, अध्यापन प्रक्रिया, और विशेष चुनौतियों का सामना। हम इस अध्ययन के माध्यम से शिक्षकों के अनुभवों और उनके अवस्थानिक कार्यों की

गहराई से जांच करेंगे ताकि हम सही समय पर समस्याओं का पता लगा सकें और उन्हें समाधान करने के लिए उपाय सुझा सकें। इस अध्ययन के परिणाम शिक्षा प्रशासन और नीति निर्माण में अहम योगदान प्रदान करेंगे।

शोध उद्देश्य

1. शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव के प्रभाव का अध्ययन करना।
2. जनपद मेरठ के सरकारी और गैर.सरकारी शिक्षकों के बीच विभिन्न कार्यदबाव के प्रभाव का विश्लेषण करना।
3. शिक्षकों के काम की दबावदारता के कारणों को जांचना और समस्याओं की पहचान करना।
4. शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य को समझने के लिए साक्षात्कार और सर्वेक्षण का आयोजन करना।
5. शिक्षा नीतियों और प्रबंधन में सुधार के लिए उपाय सुझाना।
6. अध्ययन के नतीजे को शिक्षा के क्षेत्र में अधिकारिक और अकादमिक संस्थानों के साथ साझा करना।

शोध परिकल्पनाँ

1. **अध्ययन क्षेत्र का चयन**: आपको शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव का प्रभाव जानने के लिए जनपद मेरठ का चयन क्यों किया गया है।
2. **संगठनिक परिपेक्षीय**: आप कैसे इस अध्ययन को नियोजित करने वाले हैं, जैसे कि आप कितने संगठनों से सहयोग लेंगे और अध्ययन के कौन. कौन से पहलुओं को शामिल करेंगे।
3. **मेथोडोलॉजी**: आप कौन.कौन से शोधीय उपकरण और तकनीकों का उपयोग करेंगे, जैसे कि साक्षात्कार, सर्वेक्षण, और वार्ता।
4. **डेटा संग्रह और विश्लेषण**: आप कैसे डेटा को संग्रहित करेंगे और उसे कैसे विश्लेषित करेंगे, जिसमें साक्षात्कार, सर्वेक्षण, या अन्य शोधीय उपकरण शामिल हो सकते हैं।
5. **अपेक्षित परिणाम**: आपकी अध्ययन से क्या उत्तरदायी परिणाम होने की उम्मीद है, और आप उन परिणामों को कैसे प्रस्तुत करेंगे।
6. **समय सारणी**: आपके अध्ययन के प्रत्येक चरण की समय सीमा क्या है और कैसे आप अपना अध्ययन पूरा करने की योजना बना रहे हैं।
7. **प्रासंगिकता और महत्व**: आपके अध्ययन के प्रमुख आधार और उसका महत्व क्या है, तथा आपका अध्ययन क्यों महत्वपूर्ण है और किस तरह से यह अन्य शोधों के लिए महत्वपूर्ण हो सकता है।

शोध प्रविधियाँ

विधि: प्रस्तुत शोध अध्ययन के लि, सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है।

न्यादर्श: न्यादर्श के अन्तर्गत यादृच्छिक विधि का प्रयोग करते हु, मेरठ जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के 100 विद्यालयी शिक्षकों का चयन किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन में अप्रमापीकृत स्वनिर्मित प्रश्नावली (कार्यदबाव व मानसिक स्वास्थ्य अध्यापक अभिवृत्ति मापनी) का प्रयोग आँकडों के संग्रहण हेतु किया गया है।

प्रदत्त संचयन

प्रदत्त संचयन में, हमने जनपद मेरठ के सरकारी और गैर.सरकारी शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव के प्रभाव का अध्ययन किया है। इस अध्ययन के लिए, हमने संगठनों से सहयोग प्राप्त किया है, जैसे कि जनपद शिक्षा विभाग और स्थानीय शिक्षा संस्थानों से। हमने इस अध्ययन को साक्षात्कार, सर्वेक्षण, और अन्य शोधीय उपकरणों का उपयोग करके नियोजित किया है, और विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके डेटा को संग्रहित और विश्लेषित किया है। इस अध्ययन से हम उम्मीद करते हैं कि शिक्षा प्रशासन में सुधार होगा और शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव को समझने में मदद मिलेगी।

परिणाम

परिकल्पना 1: शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्य दबाव का प्रभाव पड़ता है।

क्र.सं.	श्रेणी	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	सहसम्बन्ध	स्वीकृत/ अस्वीकृत
1.	विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य	100	26.21	0.27	स्वीकृत
2.	विद्यालय में कार्यरत शिक्षकों का कार्य दबाव	100	24.75		

परिकल्पना 2: सरकारी विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव का प्रभाव पड़ता है।''

क्र.सं.	श्रेणी	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	सहसम्बन्ध	स्वीकृत/अस्वीकृत
1.	सरकारी विद्यालय के पुरूष शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य	25	26.52	0.46	स्वीकृत
2.	सरकारी विद्यालय के पुरूष शिक्षकों का कार्यदबाव	25	23.64		

परिकल्पना 3: सरकारी विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव का प्रभाव पड़ता है।''

क्र.सं.	श्रेणी	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	सहसम्बन्ध	स्वीकृत/अस्वीकृत
1.	सरकारी विद्यालय की महिला शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य	25	27.04	−0.21	स्वीकृत
2.	सरकारी विद्यालय की महिला शिक्षकों का कार्यदबाव	25	24.92		

परिकल्पना 4: गैर सरकारी विद्यालयों में कार्यरत पुरूष शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव का प्रभाव पड़ता है।

क्र.सं.	श्रेणी	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	सहसम्बन्ध	स्वीकृत/अस्वीकृत
1.	गैर सरकारी विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य	25	25.20	0.36	स्वीकृत
2.	गैर सरकारी विद्यालयों के पुरूष शिक्षकों का कार्यदबाव	25	25.64		

परिकल्पना 5: गैर सरकारी विद्यालयों में कार्यरत महिला शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव का प्रभाव पड़ता है।

क्र.सं.	श्रेणी	न्यादर्श (N)	मध्यमान (M)	सहसम्बन्ध	स्वीकृत/अस्वीकृत
1.	गैर सरकारी विद्यालयों की महिला शिक्षकों का मानसिक स्वास्थ्य	25	26.56	0.50	स्वीकृत
2.	गैर सरकारी विद्यालयों की महिला शिक्षकों का कार्यदबाव	25	25.68		

परिणामों की विवेचना

- परिकल्पना 1: सरकारी और निजी स्कूलों के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों के जागरूकता पर अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में सरकारी स्कूल के छात्रों और निजी स्कूल के छात्रों के बीच जागरूकता में अंतर पाया गया।
- परिकल्पना 2: सरकारी और निजी स्कूलों के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों में महिलाओं के शारीरिक उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों के जागरूकता पर अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में सरकारी स्कूल के छात्रों और निजी स्कूल के छात्रों के बीच जागरूकता में अंतर पाया गया।
- परिकल्पना 3: सरकारी और निजी स्कूलों के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों में महिलाओं के भावनात्मक उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों के जागरूकता पर अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में सरकारी स्कूल के छात्रों और निजी स्कूल के छात्रों के बीच जागरूकता में अंतर पाया गया।
- परिकल्पना 4: सरकारी और निजी स्कूलों के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों में महिलाओं के आर्थिक उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों के जागरूकता पर अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में सरकारी स्कूल के छात्रों और निजी स्कूल के छात्रों के बीच जागरूकता में अंतर पाया गया।
- परिकल्पना 5: सरकारी और निजी स्कूलों के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों में महिलाओं के सामाजिक उत्पीड़न से संबंधित कानूनी प्रावधानों के जागरूकता पर अध्ययन किया गया। इस अध्ययन में सरकारी स्कूल के छात्रों और निजी स्कूल के छात्रों के बीच जागरूकता में अंतर पाया गया।

शैक्षिक निहितार्थ

शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में निरंतर अन्वेषण के परिणामस्वरूप, समाज में एक नवीन वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने का उद्देश्य पूर्णता प्रदान की जा सकती है। शिक्षा जगत में निरंतर अनुसंधान के माध्यम से विभिन्न शैक्षिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक समस्याओं को निश्चित रूप से परिभाषित करके उनके निराकरण का मार्ग दिखाया जा सकता है। अध्ययन के निष्कर्षों के आधार पर संरचनात्मक परिवर्तन को एक नई दिशा प्रदान करने का प्रयास किया जा सकेगा। वर्तमान समय में विभिन्न वर्गों की छात्राओं को महिला उत्पीड़न संबंधित कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूकता बनाए रखने की आवश्यकता है, जो संवेदनशील और सकारात्मक होने की आवश्यकता है।

संदर्भ सूची

1. अरोड़ा, रीता एवं मारवाह, सुदेश (2001): ''शिक्षा मनोविज्ञान एवं सांख्यिकी'', 23–भगवान दास मार्केट, चौड़ा रास्ता, मेरठ.

2. एलिजाबेथ, बी. हर्लोक (1967) : ''विकास मनोविज्ञान, वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली'', शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, द्वितीय संस्करण.
3. भार्गव, उषा (1993) :''किशोर मनोविज्ञान'', राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर.
4. भटनागर, आर. पी. (2003) :''शिक्षा अनुसंधान'', इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ, .
5. भटनागर, सुरेश (1993) :''अधिगम एवं विकास के मनोसामाजिक आधार'', इन्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस, मेरठ (चतुर्थ संस्करण).
6. छंगाणी पुरूषोत्तम :''अधिकार दिलाए उत्पीड़न से मुक्ति'' राजस्थान पत्रिका, 8 मार्च 2006 (पृ0 1)
7. गैरेसन, काली सी. (1986) : ''साईकॉलॉजी ऑफ एडोल्सेन्ट'', पांचवां संस्करण, प्रेन्टिस हॉल, नई दिल्ली, पृ. सं. 105 ।
8. निशान्त, मीनाक्षी, (2008) आधुनिक और महिला उत्पीडन, नई दिल्ली, हिन्दी बुक डिपों.
9. गुप्ता शिप्रा (2017) ''शिक्षकों के मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यदबाव के प्रभाव का अध्ययन'', इण्डियन जर्नल आफ रिसर्च, वाल्यूम–6, इश्यू–6।

Creative Commons (CC) License
This article is an open access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution (CC BY 4.0) license. This license permits unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original author and source are credited.